Your Imagination, we Print...
JGP
JAY graphics & printers
COMMERCIAL PRINTERS
C-15 VIKRAM CHAMBARS, NR.INCOME TAX OFFICE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.
Ph. : 93288 95485

Regd.RNI.No. GUJHIN/2016/72566

GANDHINAGAR

पाटनगर उदय

प्रधान सम्पादक : ईलेवान एच. ठाकर
मो.नं. : 99784 07016

सह सम्पादक : सुरेश के. मालाणी
मो.नं. 97269 63888

• वर्ष : 10 • अंक : 270 • दिनांक : 06-07-2026, MONDAY • पेज : 04 • मुल्य : 0.90/- (paisa) वार्षिक शुल्क : 280/-

'पाटनगर उदय'
दैनिक समाचार पत्र में समाचार, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिये
सम्पर्क करें : गांधीनगर कार्यालय
403, अखबार भवन, सेक्टर-11, गांधीनगर- 382011.
अहमदाबाद कार्यालय : 4, अवनी हाउस, मिठाखली रेलवे क्रॉसिंग के पास, मिठाखली गाम, अहमदाबाद - 380006.
मोबाईल नं. : 93288 95485
email:- patnagaruday@gmail.com

• कार्यवाहक सम्पादक : कनकभाई पंड्या • Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR (GUJ) ई-मेलः patnagaruday@gmail.com

वसई में 20 कारें डूबीं; बिहार की कोसी नदी में समाए 6 घर

महाराष्ट्र में वाटरफॉल में फंसे 100 टूरिस्ट :रस्सी के सहारे रेस्क्यू

»मुंबई/भोपाल/लखनऊ/पटना/जयपुर

देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में जेनिथ वाटरफॉल में अचानक पानी का लेवल बढ़ गया, जिसमें 100 टूरिस्ट फंस गए। उन्हें रस्सी की मदद से निकाला गया। नालासोपारा में सड़क पर पानी भरने से 20 कारें उसमें डूब गईं। मुंबई में 64 पेड़ गिर गए और 8 मकानों की दीवारें ढह गईं।

मुंबई में अलग-अलग इलाकों में पेड़ गिरने से 2 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली-NCR में रविवार को अचानक मौसम बदलने के बाद तेज हवा के साथ बारिश हुई।

गुजरात के जूनागढ़ में कई इलाकों में 4 फीट तक पानी भर गया। सड़क पर नाव चलानी पड़ रही है। भावनगर में एक कार पानी में बह गई।

बिहार में मानसून एक्टिव है। कोसी नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने के साथ कटाव शुरू हो गया है। तेज कटाव के कारण रविवार को खगड़िया जिले के शिशवा गांव के छह घर नदी में समा गए, जबकि कई अन्य मकान अभी भी कटाव के मुहाने पर हैं। नवी मुंबई के सीबीडी बेलापुर में मेट्रो के एक पिलर के पास भारी बारिश के कारण भूस्खलन हो गया। इससे मिट्टी और पत्थर सड़क पर आ गिरे। मलबा हटाने का काम जारी है।

इस दौरान खारघर की ओर जाने वाले ट्रैफिक को डायवर्ट किया गया है। हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक, स्थिति पर नजर रखी जा रही है और अधिक जानकारी का इंतजार है। मुंबई में रविवार को हुई भारी बारिश और तेज हवाओं का असर छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के संचालन पर पड़ा। खराब मौसम के कारण रनवे संचालन करीब एक घंटे के लिए रोकना पड़ा।

इस दौरान इंडिगो की चार उड़ानें रद्द कर दी गईं, जबकि विभिन्न एयरलाइंस की 13 आने वाली उड़ानों

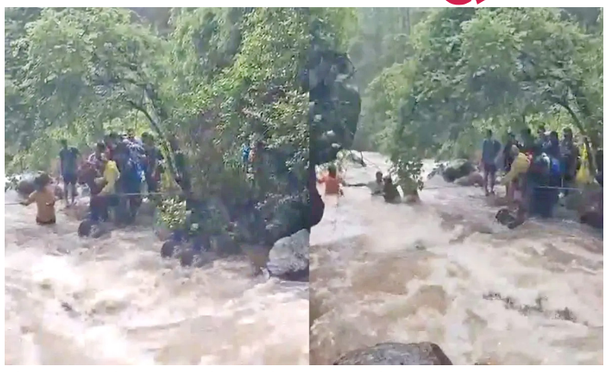

को आसपास के हवाई अड्डों की ओर डायवर्ट किया गया। बाद में सभी डायवर्ट की गई उड़ानें मुंबई लौट आईं। मुंबई के कुर्ला इलाके में तेज बारिश में एक दुकान पर पेड़ गिरने से 63 साल के शख्स की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि हादसा रविवार दोपहर करीब 12.40 बजे कुर्ला वेस्ट के नौपाड़ा इलाके में हिंदी BMC स्कूल के पास हुई।

अधिकारी ने बताया कि पीड़ित यूनुस कुंडावाला को मलबे से निकालकर फौजिया हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मुंबई की आरे कॉलोनी में पेड़ की टहनी गिरने से बाइक सवार 18 साल के युवक की मौत हो गई।

पीड़ित की पहचान साकीनाका के रहने वाले हसन रजा जहांगीर आलम सैयद के रूप में हुई है। उसे मलाड ईस्ट के बालाजी हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। महाराष्ट्र के पुणे में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण रविवार सुबह कात्रज इलाके में एक रिहायशी सोसाइटी की कंपाउंड वॉल (चहारदीवारी) गिर गई। दीवार पार्किंग शेड पर गिरने से 7 कारें और 7 बाइक दब गईं।

हल्द्वानी में बारिश के बीच निजी कंपनी के हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करानी पड़ी। लैंडिंग से करीब दो मिनट पहले अचानक मौसम खराब हो गया, जिसके बाद पायलट ने हेलिकॉप्टर को स्कूल परिसर में उतार दिया। उस समय परिसर में 10 से 12 बच्चे खेल रहे थे। हेलिकॉप्टर में दो यात्री और एक पायलट सवार थे। महाराष्ट्र के मुंबई में खराब मौसम के बीच एक्टर आमिर खान के घर के पास आंधी के चलते पेड़ गिर गया। आमिर आज शादी कर रहे हैं। यह उनकी तीसरी शादी है। महाराष्ट्र के ठाणे में तलेगांव दाभाडे में एक पाइपलाइन फट गई। पानी सड़क के नीचे से बाहर आया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। महाराष्ट्र में वसई के मधुबन इलाके में सड़कों पर पांच फीट पानी भर गया। करीब 20 कारें डूब गईं। एक शख्स ने दावा किया कि एक कार करीब 50 मीटर तक बारिश के पानी में बह गई। राजस्थान के जैसलमेर में भारी बारिश और तेज हवाओं के दौरान एक होटल की छत पर लगे सोलर पैनल उड़कर सड़क पर गिर गए। इस हादसे में तीन लोग घायल हो गए।

ट्रम्प बोले-एक हमले में ईरानी लीडरशिप खत्म कर सकते थे

ईरान का जवाब- तुम्हारे पास न सभ्यता, न सम्मान; खामेनेई के जनाजे में उमड़े लाखों लोग

»तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया कि खामेनेई के अंतिम संस्कार में ईरान का पूरा शीर्ष नेतृत्व मौजूद था और अमेरिका चाहे तो एक ही हमले में सभी को खत्म कर सकता था।

एक्सिओस से बातचीत में ट्रम्प ने कहा, "हालांकि मैंने ऐसा नहीं किया, क्योंकि फिर बातचीत के लिए कोई नहीं बचता।" ट्रम्प ने जनाजे में रो रहे लोगों पर भी तंज कसते हुए कहा कि शायद ये आंसू भी नकली हों।

ट्रम्प के बयान पर ईरान ने पलटवार किया। आर्मेनिया स्थित ईरानी दूतावास ने सोशल मीडिया पर लिखा, "लोगों को मारा जा सकता है, लेकिन विचारों को नहीं। आपके पास न सभ्यता है, न इतिहास और न सम्मान।" दूसरी तरफ तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसल्ला में खामेनेई के अंतिम दर्शन के लिए तीसरे दिन लाखों लोगों की भीड़ उमड़ी है। इस दौरान 'डेथ टु अमेरिका' और 'डेथ टु इजराइल' के नारे लगे। शिया संप्रदाय के कुल 12 पवित्र इमामों में से इमाम रजा एकमात्र ऐसे इमाम हैं जिन्हें ईरान की धरती पर दफनाया गया है। बाकी के सभी इमाम या तो सऊदी अरब (मदीना) में हैं या इराक (नजफ, करबला, सामर्रा) में। इमाम रजा शिया इस्लाम के आठवें इमाम माने जाते हैं। उनकी बढ़ती लोकप्रियता से डरकर तत्कालीन शासक अब्बासी खलीफा ने जहर देकर हत्या करा दी थी। जहां इमाम रजा को दफनाया गया, उस जगह का नाम बाद में 'मशहद' (शहीद होने की जगह) पड़ गया, जो आज ईरान का दूसरा सबसे बड़ा शहर है। मशहद शिया मुसलमानों के लिए मक्का, मदीना और करबला के बाद सबसे पवित्र स्थलों में से एक है। यहां हर साल दुनिया के कई देशों से लाखों शिया श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। तेहरान में भीषण गर्मी के बावजूद हजारों लोग अयातुल्ला अली खामेनेई को अंतिम विदाई देने सड़कों पर जुटे। जुलाई की तेज धूप और 30 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान के बीच काले कपड़े पहने श्रद्धालु अंतिम यात्रा में शामिल हुए। भीड़ को गर्मी से राहत देने के लिए फायर ब्रिगेड की गाड़ियां लोगों पर पानी का छिड़काव करती रहीं। वहीं, जगह-जगह तरबूज और ठंडे पेय बांटे गए। ईरानी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने लोगों के लिए हीट स्ट्रोक से बचने की सलाह जारी की। लोगों से धक्का-मुक्की से बचने और जुलूस के साथ धीरे-धीरे आगे बढ़ने की अपील की गई। अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के कमांडर अहमद वाहिदी भी शामिल हुए। उनकी मौजूदगी सबसे ज्यादा चर्चा में रही।

पाकिस्तान सरकार के खिलाफ 40 हजार प्रदर्शनकारी जुटे थे; कई लोग घायल

PoK में पाकिस्तानी फोर्स ने लोगों पर गोलियां चलाईं

»जम्मू-कश्मीर

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) में रविवार को जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) के शांतिपूर्ण प्रदर्शन रैली पर पाकिस्तानी फोर्स ने गोलियां चला दीं। ANI की रिपोर्ट के मुताबिक, JAAC ने दावा किया कि अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में करीब 40 हजार लोग जुटे थे। संगठन का आरोप है कि डुडियाल के AMB इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। हालांकि, घायलों की आधिकारिक संख्या या पाकिस्तान प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। JAAC का कहना है कि यह प्रदर्शन इस्लामाबाद सरकार के खिलाफ है। साथ ही, यह आंदोलन JAAC के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी, प्रशासनिक विफलताओं और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर चल रहा है। संगठन ने गिरफ्तार नेताओं और कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार, डेरा इस्माइल खान में चल रहे धरना स्थल पर भी कई अलग-अलग इलाकों से लोगों के काफिले लगातार पहुंचते रहे। प्रदर्शन में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की भी बड़ी भागीदारी बताई गई।

JAAC ने कहा कि रावलाकोट और चक की महिलाएं भी सड़कों पर उतरकर आंदोलन का नेतृत्व कर रही हैं। संगठन का दावा है कि प्रदर्शनकारी प्रशासन के दबाव के बावजूद पीछे नहीं हटे। वहीं, JAAC की अपील पर न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में रहने वाले कश्मीरी समुदाय ने भी प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने JAAC के कोर कमेटी सदस्य शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी का विरोध किया और उनकी रिहाई की मांग की।

JAAC का कहना है कि शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी के बाद पूरे PoJK में तनाव बढ़ गया है। संगठन ने सोशल मीडिया पर 'रीलिज शौकत मीर' अभियान चलाया, जिसके तहत लोगों से आंदोलन में शामिल होने की अपील की। प्रदर्शन के दौरान 'लॉन्ग लिव कश्मीर' और 'लॉन्ग लिव द पीपल' जैसे नारे लगाए गए। JAAC ने सोशल मीडिया पर PoK के 10 जिलों की अनुमानित आबादी का आंकड़ा साझा किया। संगठन के मुताबिक, यदि प्रत्येक जिले से 50 हजार लोग प्रदर्शन में शामिल हों तो कुल संख्या पांच लाख तक पहुंच सकती है। संगठन ने लोगों से सफेद झंडे के साथ शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने और अनुशासन बनाए रखने की अपील की। उसका कहना है कि उद्देश्य दुनिया को यह संदेश देना है कि प्रदर्शन केवल बुनियादी अधिकारों की मांग के लिए है।

जम्मू-कश्मीर में सरकारी स्कूल की 2 किताबों पर विवाद

आतंकी हाफिज सईद-मकबूल भट को महान हस्ती बताया

भाजपा बोली- ये एकेडमिक जिहाद, बुक बैन करें

»श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी में खरीदी गई दो किताबों पर UAPA के तहत FIR दर्ज हुई है। इनमें मुंबई हमलों के मास्टर माइंड आतंकी हाफिज सईद और अलगाववादी नेता मकबूल भट को महान हस्तियां बताया गया है।

विवादित किताबों में एक हिलाल अहमद और संतोष मीना की 'पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स ऑफ J&K' है। इसे जम्मू की ओबेरॉय बुक सर्विस ने पब्लिश किया है। दूसरी सुशांत गिरी की ग्रेट पर्सनैलिटी ऑफ जम्मू-कश्मीर है, जिसे दिल्ली के अनुराग प्रकाशन ने पब्लिश किया है। दरअसल, जम्मू-कश्मीर पीपुल्स फोरम (JKPF) ने बुक का वीडियो शेयर कर आरोप लगाया था कि बुक में मकबूल भट को शहीद और सैयद अली शाह गिलानी, शब्बीर शाह व मीरवाइज उमर फारूक को प्रभावशाली व्यक्तित्व बताया गया है।

भाजपा ने इसे एकेडमिक जिहाद बताते हुए किताबों पर बैन और जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। भाजपा ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से शिक्षा मंत्री के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की है। राज्य के 1832 सरकारी और 394 पीएम श्री स्कूलों की लाइब्रेरी के लिए 'समग्र शिक्षा' योजना के तहत किताबें खरीदी गई थीं। इनके चयन के लिए जम्मू और कश्मीर के विशेषज्ञों की 4 समितियों ने 364 पब्लिशर्स की 463 किताबों में से किताबें चुनी थीं।

अधिकारियों के मुताबिक, एक बुक की 123 कॉपी जम्मू, रामबन और उधमपुर में भेजी गई थीं। दूसरी बुक की 128 प्रतियां जम्मू और बारामूला में बांटी गई थीं। विवाद के बाद शिक्षा विभाग ने सभी विवादित किताबें वापस लेने का आदेश दिया। किताबों में आपत्तिजनक सामग्री है और इन्हें चुनने में समिति के सदस्यों व अधिकारियों ने गंभीर लापरवाही की। सरकार ने इन किताबों के लेखकों और पब्लिशर्स को जम्मू-कश्मीर में बैन और ब्लैकलिस्ट कर दिया है। उनकी सभी छपी हुई सामग्री भी वापस लेने के निर्देश दिए गए हैं। मामले की जांच के लिए नियुक्त दो अधिकारियों को 30 दिन में रिपोर्ट देनी होगी। जम्मू-कश्मीर के पूर्व डीजीपी एसपी वैद ने कहा कि मसरत आलम, सैयद अली शाह गिलानी और शब्बीर शाह पाकिस्तान की ISI का एजेंडा चलाते थे।

उन्होंने कहा कि ऐसी हस्तियों को महान बताने से नई पीढ़ी पर गलत असर पड़ेगा। मीरवाइज उमर फारूक को कश्मीर की आखिरी उम्मीद बताना भी पाकिस्तान के एजेंडे को बढ़ावा देने जैसा है। पुलिस ने BNS की कई धाराओं और UAPA की धारा 13 के तहत मामला दर्ज किया है। आरोप हैं कि किताबों में देश की एकता को नुकसान पहुंचाने और वैमनस्य फैलाने वाली सामग्री है। FIR के बाद काउंटर इंटेलिजेंस टीम ने जम्मू में एक पब्लिशर के दफ्तर पर छापा मारा।

पंडवानी गायिका तीजन बाई पंचतत्व में विलीन:राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार

»रायपुर

छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन हो गया। वे 70 साल की थीं। उन्होंने शनिवार रात 3.15 बजे रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से बीमार थीं।

भारतीय लोक कला में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। रविवार सुबह 11 बजे तीजन बाई के शव को उनके पैतृक गांव गनियारी लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया।

तीजन बाई ने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली अभिनय और अनोखी प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक में नई पहचान दिलाई। महाभारत की कथाओं को सुनाने की प्रेरणा उन्हें नाना से मिली थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक जताया। उन्होंने X पर लिखा, 'उन्होंने छत्तीसगढ़ की लोक कला को अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में पहचान दिलाई। उनका जाना कला और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।' छत्तीसगढ़ के सीएम

विष्णुदेव साय ने कहा कि पंडवानी के जरिए उन्होंने देश-विदेश में राज्य का नाम रोशन किया।

दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह, एसपी विजय अग्रवाल, शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, विधायक ललित चंद्राकर, विधायक डोमलाल कोर्सेवाड़ा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और पुलिस अधिकारियों ने तीजन बाई के पार्थिव शरीर पर फूल अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पद्म विभूषण तीजन बाई के अंतिम संस्कार में शामिल होने गनियारी पहुंचे। इस दौरान उन्होंने तीजन बाई को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनसे जुड़ी पुरानी यादें साझा कीं।

6 जुलाई से असम विधानसभा में गूंजेगी हिंदी, बजट सत्र के पहले दिन से आधिकारिक भाषा के रूप में मिली मंजूरी

»गुवाहाटी

असम विधानसभा के इतिहास में पहली बार राष्ट्रभाषा हिंदी भाषा को विधानसभा के कामकाज में शामिल किया गया है। यह पहल असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास के नेतृत्व में की गई है। असमिया, अंग्रेजी और बोडो भाषाओं के साथ हिंदी भाषा 6 जुलाई से 16वीं असम विधानसभा के बजट सत्र के पहले दिन से आधिकारिक रूप से विधायी कामकाज में शामिल की जाएगी।

दास ने बताया कि हिंदी भाषा को शामिल करने का निर्णय असम विधानसभा की सामान्य प्रयोजन समिति की बैठक में लिया गया, जो शनिवार को उनके अध्यक्षता में हुई थी।

असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमारदास ने रविवार को कहा, 'बैठक में संसदीय मामलों के मंत्री पिजुश हजारिका, मंत्री केशब महंता, विपक्ष के नेता वाजेद अली चौधरी, विधायक कमलाख्या डे पुरकायस्थ, सबहराम बसुमतारी, चक्रधर गोगोई और जय प्रकाश दास उपस्थित थे।' 'बैठक में असम विधानसभा में हिंदी

भाषा को शामिल करने का निर्णय लिया। पहले यहां केवल तीन भाषाएं (असमिया, अंग्रेजी और बोडो) थीं और पहली बार हिंदी भाषा को शामिल किया गया है। हिंदी राष्ट्रभाषा है और इसे मान्यता देने के लिए हमने हिंदी भाषा को शामिल करने का निर्णय लिया।' 6 जुलाई से असम विधानसभा का बजट सत्र शुरू होगा, जो 21 कार्य दिवसों तक चलेगा और 31 जुलाई तक जारी रहेगा। राज्य का बजट 10 जुलाई को प्रस्तुत किया जाएगा।'

उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में सत्र में 10 नए विधेयक प्रस्तुत किए गए हैं। असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमारदास ने कहा कि पहले एक चैनल था जिसका नाम एएलए (असम विधानसभा) था और इसे सोमवार से असम विधान सभा टीवी के रूप में पुनः नामित किया जाएगा। उन्होंने कहा, 'आने वाले दिनों में हम असम विधान सभा टीवी को लोक सभा टीवी और राज्य सभा टीवी की तरह बनाने का प्रयास करेंगे।

संपादकीय

आतंकियों की सूची

केंद्र सरकार ने गैर-कानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम यानी यूएपीए के तहत पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में रह रहे 23 आतंकियों को सूचीबद्ध करके न केवल इन आतंकियों, बल्कि उनके आकाओं अर्थात पाकिस्तानी सेना एवं उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ को यही संदेश दिया कि भारत आतंकवाद को लेकर सख्त है और उसकी उन पर निगाह भी है।

जो आतंकी सूचीबद्ध किए गए हैं, उन पर भारत में आतंकी हमले करने, घुसपैठ कराने, हथियार भेजने आदि के आरोप हैं। इनमें से कई भारत में हुए आतंकी हमलों या उनकी साजिश रचने में शामिल रहे हैं। ये सभी जैश, लश्कर, द रेजिस्टेंस फ्रंट और जमात-उद-दावा आदि आतंकी संगठनों से जुड़े हुए हैं। इनमें से कुछ जम्मू-कश्मीर के भी हैं।

इसी के साथ यूएपीए के तहत प्रतिबंधित आतंकियों की संख्या 80 पहुंच गई है। चूंकि भारत सरकार ने इन आतंकियों के ठिकानों को भी रेखांकित किया है, इसलिए पाकिस्तान पर इसका कुछ न कुछ असर अवश्य पड़ेगा।

हालांकि वह बेशर्मी दिखाएगा और इन आतंकियों की अपनी धरती पर उपस्थिति से इन्कार करेगा, लेकिन इससे उसका काम बनने वाला नहीं है, क्योंकि गुलाम जम्मू-कश्मीर के लोग ही यह कह रहे हैं कि पाकिस्तान ने कश्मीरियों के हाथों में बंदूकें थमाईं। एक तरह से उसकी पोल उसके ही कब्जे वाले लोग खोल रहे हैं।

23 आतंकियों को प्रतिबंधित करने का भारत सरकार का फैसला एक ऐसे समय आया है, जब पाकिस्तान मानवता और अंतरराष्ट्रीय समझौतों की दुहाई देकर सिंधु जल संधि के स्थगन के खिलाफ शोर मचाने में लगा हुआ है। भारत का फैसला उसे यह आभास कराने वाला है कि वह आतंकवाद को खाद-पानी देकर भारत से नरमी की उम्मीद न करे।

यदि पाकिस्तान यह चाहता है कि उसे सिंधु जल समझौते के तहत पानी मिले तो उसे भारत के लिए खतरा बने आतंकियों को पालने-पोसने से बाज आना होगा। उसे यह समझना ही होगा कि खून और पानी एक साथ नहीं बह सकते।

जैश, लश्कर आदि के आतंकियों को प्रतिबंधित करने का निर्णय उन पाकिस्तानियों के साथ भारतीयों को भी संदेश देने वाला है, जिन्होंने पिछले दिनों भारतीय और पाकिस्तानी प्रधानमंत्री से यह आग्रह किया था कि दोनों नेता संबंधों को बहाल करने की दिशा में आगे बढ़ें।

यह आग्रह कितना मूर्खतापूर्ण था, इसे इससे समझा जा सकता है कि किसी ने और यहां तक कि कथित शांति प्रेमी भारतीयों ने भी यह नहीं कहा कि संबंधों को सामान्य करने के लिए यह आवश्यक है कि पाकिस्तान उस आतंकी ढांचे को खत्म करे, जो भारत के लिए खतरा बना हुआ है।

चूंकि पाकिस्तान यह काम आसानी से करने वाला नहीं है, इसलिए भारत को उस पर अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने के लिए भी सक्रिय होना होगा। यह सक्रियता लगातार बढ़नी चाहिए।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026 के अंतर्गत सूरत महानगर प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन

»ब्यूरो रिपोर्ट : जयु टांक, पत्रकार, सूरत, मो. 9624986108

भारतीय जनता पार्टी - गुजरात प्रदेश के मार्गदर्शन में आयोजित "पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान-2026" के अंतर्गत ग्रीन पैराडाइज, परुजन गांव, उभराट रोड पर सूरत महानगर भाजपा के कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जा रहा है।

आज प्रशिक्षण वर्ग के छठे दिन पांच वार्डों के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न विषयों पर आयोजित अलग-अलग सत्रों में विशेषज्ञ वक्ताओं से प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस चरण में वार्ड क्रमांक 13, 21, 25, 27 एवं 29 के कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया। प्रत्येक वार्ड के लिए कुल 7 प्रशिक्षण सत्र निर्धारित किए गए हैं।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में प्रशिक्षण प्रभारी एवं शहर महामंत्री श्री दुर्गा प्रसाद पांडे, शहर महामंत्री श्री करसनभाई गोंडलिया, श्री विरलभाई गिलिटवाला, गुजरात प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती झंखनाबेन पटेल, दक्षिण ज़ोन प्रशिक्षण सह-संयोजक डॉ. प्रकाशचंद्र पटेल, सूरत महानगर प्रशिक्षण संयोजक श्री शैलेशभाई पटेल, सह-संयोजकों तथा उनकी टीम एवं शहर संगठन की टीम की गरिमामयी उपस्थिति रही।

समापन सत्र में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री एवं नवसारी के सांसद C. R. Patil, गुजरात विधानसभा के उपाध्यक्ष Purnesh Modi, शहर अध्यक्ष श्री परेशभाई पटेल तथा स्थायी समिति के चेयरमैन श्री राजनभाई पटेल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इस अवसर पर नेताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन की विचारधारा, 'राष्ट्र प्रथम' के संकल्प, सेवा, समर्पण तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के विषय में मार्गदर्शन दिया। प्रशिक्षण वर्ग के माध्यम से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा, उत्साह और संगठन के प्रति अधिक समर्पण की भावना का संचार हुआ।

"प्रशिक्षित कार्यकर्ता ही सशक्त संगठन की नींव है" — इसी संकल्प के साथ आयोजित यह प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यकर्ताओं के लिए अत्यंत प्रेरणादायी एवं मार्गदर्शक सिद्ध हुआ।

आईआईटी गांधीनगर में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन 'शाश्वत ऊर्जा' में पावर सेक्टर की साइबर सुरक्षा पर पैनल चर्चा का सफल संचालन

रिसर्च पार्क, आईआईटी गांधीनगर में 2 एवं 3 जुलाई 2026 को 'शाश्वत ऊर्जा – स्वच्छ ऊर्जा, हरित पर्यावरण, सुरक्षित भविष्य' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन NEED Mission द्वारा Central Board of Irrigation and Power (CBIP) के सहयोग से किया गया। इस सम्मेलन को विज्ञान भारती (VIBHA) एवं विज्ञान गुर्जरी का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ।

सम्मेलन के Knowledge Partners के रूप में आईआईटी गांधीनगर तथा GPRD Cell, गांधीनगर जुड़े थे। वहीं Event Sponsors के रूप में Gujarat Energy Development Agency (GEDA), i-Hub Gujarat, Eppeltone Engineers, AIAAJ Solar Limited एवं Veracity Recycler ने सहयोग प्रदान किया। इसके अतिरिक्त Gujarat Technological University (GTU), IIT Bombay Alumni Association (Ahmedabad Chapter), Rajesh Power Services Ltd., iCreate सहित अनेक प्रतिष्ठित संस्थाएं Event Partners के रूप में सम्मेलन से जुड़ीं।

सम्मेलन के मुख्य अतिथि गुजरात सरकार के वन एवं पर्यावरण, जलवायु परिवर्तन, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री माननीय श्री अर्जुनभाई मोढवाडिया रहे। उन्होंने स्वच्छ ऊर्जा, हरित पर्यावरण तथा सतत विकास के लिए विज्ञान, अनुसंधान एवं नवाचार के महत्व पर प्रकाश डाला।

सम्मेलन के अंतर्गत 'Cyber Security Challenges in the Power Sector: Securing Critical Infrastructure in the Digital Era' विषय पर आयोजित विशेष पैनल चर्चा का सफल संचालन स्वर्णिम स्टार्ट-अप एंड इनोवेशन यूनिवर्सिटी के कंप्यूटर इंजीनियरिंग एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) विजयकुमार गढ़वी ने किया।

पैनल में देश के प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने अपने विचार साझा किए। इनमें डॉ. बापू एस. बिंदुमाधव, Head, POWERGRID Centre of Excellence in Cyber Security, IISc Bengaluru, जो पावर सेक्टर साइबर सुरक्षा एवं SCADA/ICS सुरक्षा के क्षेत्र के अग्रणी विशेषज्ञ हैं; प्रो. सरसिज दास, Associate Professor, Department of Electrical Engineering, IISc Bengaluru, जो स्मार्ट ग्रिड, पावर सिस्टम्स एवं साइबर-फिजिकल सिस्टम्स के प्रसिद्ध शोधकर्ता हैं; तथा श्री चंद्रकांत पेंडोर, General Manager (IT), Gujarat Urja Vikas Nigam Limited (GUVNL), जिन्होंने विद्युत क्षेत्र में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन एवं साइबर सुरक्षा पर अपने व्यावहारिक अनुभव साझा किए।

चर्चा के दौरान भारत के विद्युत क्षेत्र की Critical Infrastructure Security, Smart Grid Security, SCADA/ICS सुरक्षा, Artificial Intelligence आधारित Cyber Defence, Ransomware हमलों से सुरक्षा तथा राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

पैनल चर्चा के संचालक प्रो. (डॉ.) विजयकुमार गढ़वी कंप्यूटर इंजीनियरिंग क्षेत्र में 21 वर्षों से अधिक का शैक्षणिक, अनुसंधान एवं प्रशासनिक अनुभव रखते हैं। उनकी विशेषज्ञता Cyber Security, Cloud Computing, Artificial Intelligence, Machine Learning, Internet of Things (IoT), Cyber Forensics, E-Governance एवं Data Security जैसे क्षेत्रों में है। उन्होंने 61 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय शोध-पत्र, पुस्तकें एवं पेटेंट प्रकाशित किए हैं तथा अनेक शोधार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

सम्मेलन के सफल आयोजन में श्री जिग्नेश बोरिसागर एवं श्री आस्तिक दढाणिया ने समन्वयक के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके कुशल समन्वय एवं प्रभावी प्रबंधन से सम्मेलन का सफल आयोजन संभव हो सका।

कार्यक्रम के अंत में प्रो. (डॉ.) विजयकुमार गढ़वी ने विज्ञान भारती (VIBHA), विज्ञान गुर्जरी, NEED Mission, CBIP, आईआईटी गांधीनगर, सभी Knowledge Partners, Event Sponsors, Event Partners, समन्वयकों श्री जिग्नेश बोरिसागर एवं श्री आस्तिक दढाणिया, तथा सभी विशिष्ट अतिथियों एवं विशेषज्ञों के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय मंच शिक्षा, उद्योग, अनुसंधान संस्थानों एवं नीति-निर्माताओं के बीच ज्ञान के आदान-प्रदान को सशक्त बनाते हैं तथा भारत के ऊर्जा क्षेत्र को सुरक्षित, स्मार्ट और आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

जम्मू-कश्मीर में 2 लश्कर आतंकी मारे गए : शोपियां में 3 घंटे चला एनकाउंटर

एक पहलगाम हमले के बाद बनी हिट लिस्ट में शामिल था

»शोपियां

जम्मू-कश्मीर के शोपियां के सैदपोरा इलाके में शनिवार शाम से चल रही मुठभेड़ में भारतीय सेना के जवानों ने लश्कर के 2 आतंकी मार गिराए। मारे गए दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के टॉप ऑपरेटिव थे। एक आतंकी जाकिर अहमद गनी उन 14 आतंकियों की लिस्ट में शामिल था, जिसे पहलगाम हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने जारी किया था। दूसरा आतंकी जाकिर का साथी लतीफ भट है।

सुरक्षाबलों को शोपियां के सैदपोरा पायीन के पास छानपोरा इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। घेराबंदी के दौरान जब जवान आतंकियों के ठिकाने के करीब पहुंचे तो उन्होंने फायरिंग कर दी।

मुठभेड़ 4 जुलाई की शाम 7:45 बजे शुरू हुई थी। अंधेरे के कारण एनकाउंटर और सर्च ऑपरेशन रात में रोक दिया गया था। यह ऑपरेशन शुक्रवार दोपहर को शुरू किया गया था, जब सात गांव वाले मीमंदर इलाके के एक बाग में लगे सेना के कैमरे में ये दो आतंकी दिखाई दिए। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) की कई टुकड़ियों की टीम ने इलाके की घेराबंदी की और शाम तक 4 गांव खाली करा लिए। सेना की खास एंटी टेरेरिज्म यूनिट, 'विक्टर फोर्स' ने बाग के घने पेड़ों के बीच से भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद करने के लिए अतिरिक्त जवान तैनात किए और इलाके में रोशनी का इंतजाम भी किया।

जब सेना के जवान उनकी ओर बढ़े तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में सेना ने भी प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई। सूत्रों के मुताबिक, कुलगाम के मुतलहम गांव के रहने वाले जाकिर अहमद गनी को सुरक्षा बलों ने कल दक्षिण कश्मीर के जिलों में दूसरे आतंकवादियों के साथ ट्रैक किया था। जाकिर का नाम पाकिस्तान से जुड़े कई आतंकी हमलों से भी जुड़ा था। अक्टूबर 2025 में NIA कोर्ट ने इनके खिलाफ नोटिस जारी किया था और हाल ही में उनका नाम अप्रैल 2026 के पहलगाम आतंकी हमले की जांच से भी जुड़ा था। पहलगाम हमले के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने कश्मीर में 14 आतंकवादियों की सूची जारी की थी और उनके घर भी गिरा दिए गए थे।

सुरक्षा रिकॉर्ड के मुताबिक, जाकिर 2024 से लश्कर-ए-तैयबा से जुड़ा हुआ है, जबकि लतीफ पिछले साल LeT में शामिल हुआ था। अगर जाकिर गनी की मौत की पुष्टि हो जाती है तो 9वां आतंकी होगा, जिसे सुरक्षाबलों ने मार गिराया है। जिन 14 आतंकियों की लिस्ट जारी की थी, जाकिर गनी को मिलाकर उनमें से अब तक 9 मारे जा चुके हैं। 6 आतंकी मई 2025 में शोपियां और पुलवामा में एनकाउंटर के दौरान मारे गए थे।

इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण विज्ञापन मामले में नोटिस जारी :सरकार ने 7 दिन में जवाब मांगा

ऐसे कंटेंट को ब्लॉक करने और हटाने को कहा

»नई दिल्ली

इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेट को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को लेकर सरकार ने पैरेंट कंपनी Meta को नोटिस भेजा। न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार कंपनी को 7 दिन में इस नोटिस का जबाव देना होगा। ये नोटिस 4 जुलाई को जारी किया गया है।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार IT मिनिस्ट्री ने इंस्टाग्राम को अपने प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण को बढ़ावा देने वाले या ऐसे कंटेंट तक पहुंच बनाने वाले सभी विज्ञापनों को तुरंत ब्लॉक करने और हटाने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, बीबीसी ने अपनी इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में बताया था कि इंस्टाग्राम भारत में बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापन दिखा रहा है। इससे पहले सरकार ने 1 जुलाई को Meta को नोटिस जारी कर WhatsApp के यूजरनेम फीचर पर नोटिस भेजा था। BBC की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंस्टाग्राम पर चाइल्ड सेक्शुअल एब्यूज मेटेरियल मौजूद हैं। भारत में इंस्टाग्राम पर ऐसे पेड विज्ञापन चल रहे थे, जिनमें 'रेप वीडियो' और 'चाइल्ड वीडियो' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था।

इन विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद यूजर्स को टेलीग्राम चैनलों पर भेजा जाता था, जहां कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा कंटेंट बेहद कम कीमत 99 रुपए में बेचा जा रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, इंस्टाग्राम पर दिखने वाले सभी विज्ञापन पहले Meta के मॉडरेशन सिस्टम से मंजूरी मिलने के बाद ही लाइव होते हैं।

BBC ने जब ऐसे ही एक विज्ञापन की शिकायत इंस्टाग्राम से की, तो करीब 24 घंटे बाद कंपनी ने जवाब दिया कि यह पोस्ट उसकी कम्यूनिटी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं है। इसके बाद BBC ने मेटा से इस मामले पर जवाब मांगा। तब कंपनी ने कहा कि उसने कई विज्ञापनों को हटा दिया है, संबंधित अकाउंट्स को सस्पेंड किया है और उन URL को हटा देने का दावा किया।

Meta ने यह भी माना कि कोई भी मॉडरेशन सिस्टम पूरी तरह परफेक्ट नहीं होता और रिव्यू प्रोसेस हर नियम उल्लंघन की पहचान नहीं कर पाती। भारत के आईटी, 2021 के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को अवैध कंटेंट हटाने के लिए त्वरित कार्रवाई करनी होती है। जांच एजेंसियों के साथ सहयोग करना होता है। बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट की पहचान और रोकथाम के लिए उचित तकनीकी उपाय करने होते हैं। उसे डाउनलोड, शेयर या फॉरवर्ड न करें। संबंधित प्लेटफॉर्म पर तुरंत रिपोर्ट करें। राष्ट्रीय साइबर अपराध पोर्टल पर शिकायत दर्ज करें। जरूरत पड़ने पर स्थानीय पुलिस या साइबर सेल को सूचना दें।

ट्रम्प बोले- अमेरिका को कम्युनिज्म नहीं चाहिए, हमने इसके खिलाफ दुनियाभर में जंग लड़ी

वॉशिंगटन में इतिहास की सबसे बड़ी आतिशबाजी, राजधानी जगमगाई

»वॉशिंगटन डीसी

अमेरिका ने शनिवार को आजादी के 250 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर देशभर में भव्य समारोह आयोजित किए।

मुख्य कार्यक्रम वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में हुआ, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्र को संबोधित किया। बारिश और आंधी-तूफान के कारण कार्यक्रम में देरी हुई, लेकिन मौसम साफ होने के बाद समारोह शुरू हुआ।

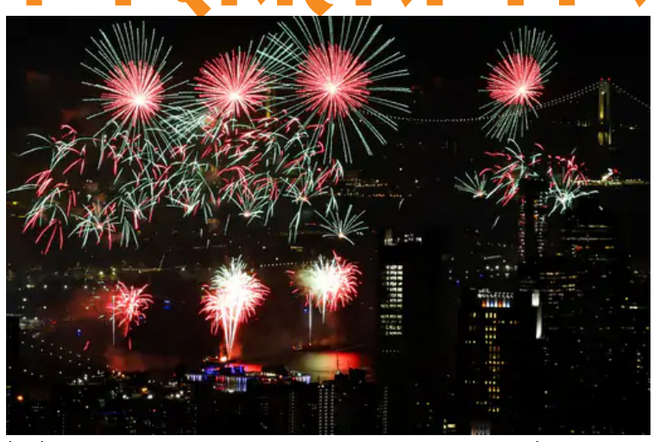

अपने संबोधन में ट्रम्प ने कम्युनिज्म पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'हम अपने देश में कम्युनिस्टों को नहीं चाहते। कम्युनिज्म हमेशा हारता आया है और आगे भी हारेगा। यह अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है।' ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने दुनिया भर में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी, ताकि यह विचारधारा कभी अमेरिका के भीतर जगह न बना सके। भाषण के बाद नेशनल मॉल में करीब 40 मिनट तक रिकॉर्ड आतिशबाजी हुई। इस दौरान 8.5 लाख से ज्यादा फायरवर्क्स हुए। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा स्वतंत्रता दिवस फायरवर्क शो बताया। वॉशिंगटन डीसी में हुई आतिशबाजी में 8.5 लाख गोले दागे गए। यह करीब 40 मिनट तक चली। देश के सभी 50 राज्यों में परेड, एयर शो, कॉन्सर्ट और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। न्यूयॉर्क में जहाजों की परेड निकली, जिसमें भारत समेत दुनिया भर से आए जहाज शामिल हुए। फिलाडेल्फिया में टाइम कैप्सूल जमीन में दफन किया गया। इसे 250 साल बाद खोला जाएगा। इसमें आईफोन, कोका-कोला समेत सभी राज्यों के आम लोगों से जुड़ी चीजें रखी गईं। राष्ट्रपति ट्रम्प ने वॉशिंगटन के नेशनल मॉल से देश को संबोधित किया। मंच पर नासा के आर्टेमिस-II मिशन के अंतरिक्ष यात्री और पूर्व सैनिक भी मौजूद रहे।

अमेरिका-250 कमिशन ने इस समारोह की तैयारी 2016 से ही शुरू कर दी थी। अमेरिकी कांग्रेस ने इसके लिए 150 मिलियन डॉलर (करीब 1,250 करोड़) का फंड मंजूर किया। इसके अलावा निजी कंपनियों ने भी फंडिंग की। वॉशिंगटन डीसी में फायरवर्क शो करीब 40 मिनट तक चला, जिसमें 8.5 लाख फायरवर्क शेल दागे गए। आतिशबाजी के लिए राजधानी में 50 अलग-अलग लॉन्चिंग पॉइंट बनाए गए थे। इनमें पोटोमैक नदी में तैनात 8 बार्ज (बड़े प्लेटफॉर्म) भी शामिल थे। पूरे शो के दौरान हर सेकेंड 350 से ज्यादा फायरवर्क आसमान में छोड़े गए, जिससे राजधानी का आसमान लाल, सफेद और नीले रंग में रंग गया। इस भव्य फायरवर्क शो का जिम्मा पेनसिल्वेनिया की पायरोटेक्निको कंपनी ने संभाला। कंपनी के मुताबिक, 75 सदस्यीय टीम ने इस आयोजन की तैयारी में छह महीने तक काम किया। ट्रम्प ने वॉशिंगटन में हुए फायरवर्क शो को 'अब तक की सबसे शानदार आतिशबाजी' बताया। खराब मौसम और कई घंटे की देरी के बावजूद समारोह तय कार्यक्रम के मुताबिक पूरा हुआ।

आखिरी दिन प्रज्ञानंद ने मारी बाजी, लगातार तीन जीत के दम पर संयुक्त नंबर-1 बने भारतीय स्टार

जैग्रेब (क्रोएशिया)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने ग्रैंड चेस टूर के क्रोएशियाई चरण के रैपिड सेक्शन के अंतिम दिन शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने आखिरी दिन लगातार तीन मैच जीतकर कुल 12 अंकों के साथ फ्रांस के फिरौज्जा अलीरेजा के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान हासिल कर लिया है। दूसरे दिन के खेल के बाद प्रज्ञानंद थोड़ा पिछड़ गए थे, लेकिन उन्होंने आखिरी तीन दौर के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल बचाकर रखा था। उन्होंने क्रोएशिया के इवान सारिक, रोमानिया के डीक बोग्डन-डेनियल और नीदरलैंड के अनीश गिरी को शिकस्त देकर अलीरेजा की बराबरी की।

इस प्रतियोगिता के रैपिड सेक्शन में फ्रांस के मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव और उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव ने

भी बेहतरीन अंत किया। ये दोनों खिलाड़ी 11 अंकों के साथ शीर्ष पर मौजूद दोनों लीडर्स के बेहद करीब बने हुए हैं। वहीं, भारत के विश्व चैंपियन डी गुकेश और जर्मनी के विंसेंट कीमर भी 10-10 अंकों के साथ उनके ठीक पीछे मजबूती से डटे हुए हैं।ब्लिट्ज सेक्शन में अभी 18 दौर के मुकाबले खेले जाने बाकी हैं। फिलहाल, अनीश गिरी आठ अंकों पर हैं और वह डीक बोग्डन-डेनियल तथा नीदरलैंड के जॉर्डन वैन फोरेस्ट से एक पूरा अंक आगे हैं। इसके विपरीत, इवान सारिक के खाते में केवल दो अंक हैं और वह अंक तालिका में सबसे आखिरी स्थान पर हैं।

प्रज्ञानंद ने आखिरी तीन राउंड में विपक्षी दिग्गजों को कैसे मात दी

प्रज्ञानंद के लिए दिन की शुरुआत बेहद सकारात्मक रही। टूर्नामेंट में संघर्ष कर रहे इवान सारिक के खिलाफ शुरुआती चालों के बाद ही भारतीय खिलाड़ी मजबूत स्थिति में आ गए थे। कारो-कैन डिफेंस की वजह से प्रज्ञानंद को शुरुआत से ही सक्रिय स्थिति मिल गई थी। हालांकि इसे जीत में बदलने में लंबा समय लगा, लेकिन प्रज्ञानंद का खेल पर पूरा नियंत्रण बना रहा। दूसरे मुकाबले में प्रज्ञानंद ने पेट्रोफ डिफेंस का सामना करते हुए डीक बोग्डन-डेनियल की रक्षापंक्ति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। खेल की 15वीं चाल तक ही परिणाम की तस्वीर साफ होने लगी थी। रोमानियाई खिलाड़ी ने जल्द ही अपना एक मोहरा गंवा दिया और वह मुकाबले में दोबारा वापसी नहीं कर सके।दिन के आखिरी मैच में प्रज्ञानंद ने आम तौर पर मजबूत माने जाने वाले अनीश गिरी के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाया। उन्होंने कैटलन ओपनिंग के जरिए एक प्यादा जीता और फिर बेहतरीन टैक्टिकल सूझबूझ दिखाते हुए मैच को कुशलता से समाप्त किया। यह मुकाबला महज 34 चालों में ही खत्म हो गया।

विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन कुछ अलग साबित हुआ

प्रज्ञानंद के विपरीत, सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन डी गुकेश के लिए यह दिन थोड़ा अलग और मिलाजुला रहा। वह अपने तीनों मुकाबले ड्रॉ ही खेल सके, जिसके कारण वह शीर्ष रेस में थोड़े पीछे रह गए। अब्दुसत्तोरोव, कीमर और अलीरेजा इन तीनों ही खिलाड़ियों ने गुकेश के साथ अंक बांटे।

रैपिड सेक्शन के 9 दौर के बाद क्या है अंक तालिका की स्थिति

पहला-दूसरा स्थानः फिरौज्जा अलीरेजा (फ्रांस), आर प्रज्ञानंद (भारत)- 12 अंक प्रत्येक

तीसरा-चौथा स्थानः मैक्सिम वाचिएर-लाग्रेव (फ्रांस), नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव (उज्बेकिस्तान)- 11 अंक प्रत्येक

पांचवां-छठा स्थानः डी गुकेश (भारत), विंसेंट कीमर (जर्मनी)- 10 अंक प्रत्येक

सातवां स्थानः अनीश गिरी (नीदरलैंड)- 8 अंक

आठवां-नौवां स्थानः डीक बोग्डन-डेनियल (रोमानिया), जॉर्डन वैन फोरेस्ट (नीदरलैंड)- 7 अंक प्रत्येक

दसवां स्थानः इवान सारिक (क्रोएशिया)- 2 अंक

मेसी के विश्वकप में 20 गोल

एम्बाप्पे पर बनाई बढ़त गोल्डन बूट की दौड़ में आगे

मियामी, एजेंसी। अर्जेंटीना के स्टार खिलाड़ी लियोनल मेसी ने फिर गोल किया और केप वर्डे के खिलाफ फीफा विश्व कप का लगातार आठवां मैच था जिसमें अर्जेंटीना के कप्तान ने कम से कम एक गोल दागा है। मेसी ने केप वर्डे के खिलाफ 29वें मिनट में विश्व कप के अपने करियर का 20वां गोल किया। वह विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में शीर्ष पर बने हुए हैं जबकि, फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे उनसे दो गोल पीछे हैं।

मेसी ने दागा मौजूदा विश्व कप का सातवां गोल

इस साल टूर्नामेंट में मेसी का यह सातवां गोल था और गोल्डन बूट की दौड़ में एम्बाप्पे उनसे एक गोल पीछे हैं। पिछले आठ विश्व कप मैचों में मेसी 12 गोल कर चुके हैं। मेसी के साथ अर्जेंटीना और इंटर मियामी के लिए खेलने वाले रॉड्रिगो डि पॉल ने कहा, मेरे लिए मेसी की दोस्ती सबसे अहम चीज है और मैं खुशकिस्मत हूं कि इन पलों में उसके साथ मैदान पर हूं।मेसी ने मार्टिनेज के पास पर केप वर्डे के स्टार गोलकीपर वोजिन्हा को छकाते हुए यह गोल दागा। मेसी और एम्बाप्पे के अलावा नॉर्वे के एर्लिंग हालंद और इंग्लैंड के हैरी केन भी पांच-पांच गोल करके विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के गोल्डन बूट पुरस्कार की दौड़ में हैं। फ्रांस के उस्मान डेम्बेले, स्पेन के मिकेल ओयारजाबाल, ब्राजील के विनिशियस जूनियर और सेनेगल के इस्माइला सार ने चार-चार गोल किए हैं। सार दौड़ से बाहर हैं क्योंकि सेनेगल बाहर हो चुकी है।

कभी गोल्डन बूट नहीं जीत सके हैं मेसी

नॉर्वे, इंग्लैंड और फ्रांस अंतिम 16 में हैं। केप वर्डे को हराकर अर्जेंटीना भी अगले दौर में पहुंच चुका है। मेसी ने कभी गोल्डन बूट नहीं जीता। विश्व कप 2022 में सात गोल करके वह एम्बाप्पे से एक गोल पीछे रह गए थे, जबकि 2014 में चार गोल करके संयुक्त तीसरे स्थान पर थे। अगर टूर्नामेंट के बाद शीर्ष पर टाई रहता है तो फीफा पहले टाइब्रेकर के रूप में यह देखेगा कि कितने गोल में मदद की है और दूसरा टाइब्रेकर यह होगा कि मैदान पर किसने कम समय बिताया है। एमेबाप्पे गोल में सहायता के मामले में मेस्सी से 2-0 से आगे हैं।

पेनल्टी शूटआउट में मिस्र का कमाल ऑस्ट्रेलिया को हरा राउंड ऑफ-16 में

डलास, एजेंसी। फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 32 में मिस्र ने इतिहास रचते हुए ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से हराकर पहली बार विश्व कप के नॉकआउट मुकाबले में जीत दर्ज की। निर्धारित समय और अतिरिक्त समय तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद मैच का फैसला पेनल्टी शूटआउट से हुआ। मिस्र ने अपनी चारों पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जबकि ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन अपने प्रयासों में चूक गए।

मुकाबले की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने आक्रामक रुख अपनाया और क्रिस्टियन वोल्पाटो का लंबी दूरी का शॉट क्रॉसबार से टकराया। इसके कुछ ही मिनट बाद मिस्र ने 13वें मिनट में बढ़त बना ली। सेट पीस से बने मौके पर करीम हाफेज के क्रॉस को इमाम अशूर ने शानदार हेडर के जरिए गोल में बदल दिया। विश्व कप में अशूर का यह लगातार दूसरा गोल रहा।दूसरे हाफ में ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी हासिल कर ली। 55वें मिनट में एडेन ओ'नील की फ्री-किक पर मिस्र के डिफेंडर मोहामेद हानी ने गेंद को क्लियर करने की कोशिश में अपनी ही टीम के गोल में पहुंचा दिया। इस आत्मघाती गोल के साथ स्कोर 1-1 हो गया और मुकाबला बेहद रोमांचक बन गया।

दोनों टीमों को मिले मौके

अतिरिक्त समय में मिस्र के पास मैच खत्म करने का सुनहरा अवसर था, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर पैट्रिक बीच ने रामी राबिया के दमदार हेडर पर शानदार एक हाथ से बचाव किया। इसके बाद मोहम्मद सलाह ने हैसम हसन के लिए मौका बनाया, लेकिन हैरी साउटर ने बेहतरीन ब्लॉक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को बचा लिया।निर्धारित समय और अतिरिक्त समय में फैसला नहीं होने के बाद मैच पेनल्टी शूटआउट में पहुंचा। मिस्र ने अपनी सभी चार पेनल्टी सफलतापूर्वक गोल में बदली। स्टार खिलाड़ी मोहम्मद सलाह ने भी शानदार 'पानेन्का' शैली में पेनल्टी को गोल में बदल दिया। दूसरी ओर, ऑस्ट्रेलिया के हैरी साउटर और लुकास हेरिंगटन पेनल्टी चूक गए, जिससे मिस्र ने 4-2 से जीत दर्ज कर ली।

विश्व कप से पहले भारत ने दिया बड़ा संदेश

फुल्टन बोले- गेम प्लान पर टिके रहे तो जीत हमारी होगी

नई दिल्ली, एजेंसी। एफआईएच प्रो लीग में कुल मिलाकर निराशाजनक अभियान के बावजूद आखिरी चरण में भारतीय टीम ने दमदार प्रदर्शन कर अपने इरादे साफ कर दिए। जर्मनी और नीदरलैंड जैसी मजबूत टीमों को हराने के बाद मुख्य कोच क्रेग फुल्टन का मानना है कि अगर टीम अपने गेम प्लान पर कायम रही तो दुनिया की किसी भी टीम को मात दे सकती है।

जर्मनी और नीदरलैंड पर जीत से बढ़ा टीम का आत्मविश्वास?

मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा कि प्रो लीग के दौरान टीम का आत्मविश्वास लगातार बढ़ा है। उन्होंने कहा कि जर्मनी और नीदरलैंड जैसी शीर्ष टीमों पर जीत और इंग्लैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले ने साबित कर दिया कि भारतीय टीम अपने गेम प्लान पर अमल करे तो किसी भी टीम को चुनौती देने और हराने की क्षमता रखती है। उन्होंने इसे विश्व कप और एशियाई खेलों से पहले अच्छा संकेत बताया, हालांकि प्रदर्शन में निरंतरता बनाए रखने की जरूरत भी बताई।

टीम दबाव में पहले से ज्यादा मजबूत हुई

फुल्टन ने कहा कि टीम ने दबाव की परिस्थितियों में संयम बनाए रखा, अलग-अलग टीमों की खेल शैली के अनुसार खुद को ढाला और करीबी मुकाबलों में जीत हासिल की। उनके अनुसार यही अनुभव विश्व कप और एशियाई खेलों जैसे बड़े टूर्नामेंट में टीम के काम आएगा और टीम सही दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रो लीग भारत के लिए मुश्किल रही थी

राउरकेला में खेले गए घरेलू चरण में भारत को बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद होबार्ट चरण में टीम ने सुधार के संकेत दिए। स्पेन से शुरुआती हार के बाद भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-2 और स्पेन के खिलाफ 1-1 से ड्रॉ खेला, हालांकि दोनों मुकाबलों के शूटआउट में हार मिली। अंतिम मैच में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी के बाद भारत ने शूटआउट 3-1 से जीत लिया।यूरोप चरण में भारतीय टीम का प्रदर्शन काफी बेहतर रहा। रॉटरडैम में भारत ने जर्मनी को 3-1 और नीदरलैंड को 3-2 से हराया। दुनिया की दो मजबूत रक्षात्मक टीमों के खिलाफ भारत ने चार मैचों में नौ गोल किए, जिनमें पांच फील्ड गोल और चार पेनल्टी कॉर्नर से आए। इसके बाद लंदन में पाकिस्तान और इंग्लैंड के खिलाफ चारों मुकाबलों में भारत निर्धारित समय तक अपराजित रहा।

हरमनप्रीत सिंह ने भी जताया भरोसा

होबार्ट चरण से बाहर रहने के बाद टीम की कप्तानी संभालने लौटे हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि शीर्ष रैंकिंग वाली टीमों को हराना हमेशा खास होता है और इससे पता चलता है कि टीम की मेहनत रंग ला रही है। उन्होंने कहा कि विश्व कप और एशियाई खेलों की तैयारी में टीम इन सकारात्मक पहलुओं को साथ लेकर आगे बढ़ेगी।

अल-नासर को मिला नया कोच, एंजे को मिली कमान

सऊदी अरब के दिग्गज क्लब अल-नासर ने ऑस्ट्रेलियाई कोच एंजे पोस्टेकोग्लू को अपनी पहली फुटबॉल टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। क्लब ने शनिवार को इसकी आधिकारिक घोषणा करते हुए बताया कि पोस्टेकोग्लू के साथ दो साल का अनुबंध किया गया है।एंजे पोस्टेकोग्लू पुर्तगाली कोच जॉर्ज जीसस की जगह लेंगे। क्लब ने अपने आधिकारिक बयान में कहा, 'एक नए अध्याय की शुरुआत।एंजे पोस्टेकोग्लू को अल-नासर की पहली फुटबॉल टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। उनका अनुबंध दो सीजन के लिए है। हम उन्हें और उनके सहयोगी स्टाफ को क्लब के साथ सफल सफर की शुभकामनाएं देते हैं।'पोस्टेकोग्लू के सामने सबसे बड़ी चुनौती पांच बार के बैलन डी'ऑर विजेता क्रिस्टियानो रोनाल्डो के साथ टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की होगी। इसके अलावा वह सादियो माने, किंग्सले कोमन और जोआओ फेलिक्स जैसे स्टार खिलाड़ियों को भी कोचिंग देंगे। इस समय 41 वर्षीय क्रिस्टियानो रोनाल्डो पुर्तगाल की ओर से फीफा विश्व कप 2026 में खेल रहे हैं। उन्होंने क्रोएशिया के खिलाफ राउंड ऑफ 32 मुकाबले में पेनल्टी के जरिए बराबरी का गोल दागा था। हालांकि बाद में उन्हें मैदान से बाहर बुला लिया गया और गोंकालो रामोस ने विजयी गोल कर टीम को बढ़त दिलाई।

नोवाक जोकोविच ने रचा इतिहास

जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी की

नई दिल्ली, एजेंसी। सात बार के विंबलडन चैंपियन नोवाक जोकोविच ने तीसरे दौर में फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच को कड़े मुकाबले में 7-5, 6-4, 1-6, 7-6(4) से हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल (चौथे दौर) में जगह बना ली। इस जीत के साथ जोकोविच ने विंबलडन पुरुष एकल में रोजर फेडरर के 105 जीत के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली।

फेडरर की बराबरी, अब सिर्फ एक खिलाड़ी आगे

39 वर्षीय सर्बियाई दिग्गज अब विंबलडन में पुरुष एकल के इतिहास में सबसे ज्यादा 105 मैच जीतने वाले खिलाड़ियों की सूची में रोजर फेडरर के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर पहुंच गए हैं। पूरे इतिहास में उनसे आगे सिर्फ महिला टेनिस की दिग्गज मार्टिना नवरातिलोवा हैं, जिन्होंने विंबलडन में 120 एकल मुकाबले जीते हैं।

जोकोविच बोले- इतिहास बनाना मेरे लिए सम्मान की बात

जीत के बाद जोकोविच ने कहा कि इस खेल में इतिहास रचना उनके लिए गर्व और सम्मान की बात है। उन्होंने कहा, 'इस खेल में इतिहास बनाना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान और सौभाग्य है। खासकर विंबलडन में, क्योंकि बचपन से यही मेरा सपना रहा है। मैं 105 या 106 जीत के बारे में नहीं सोच रहा, मेरा पूरा ध्यान हर मैच जीतने पर है।'उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आज मैं सामान्य से ज्यादा दबाव में था। मुझे पता था कि मुकाबला आसान नहीं होगा। मैं खुश हूं कि इसे जीत पाया। अब मैं चाहता हूं कि 106वीं जीत के लिए मेरा मुकाबला रोजर फेडरर से ही हो जाए।'

रिंदरकनेच ने दी कड़ी टक्कर

दूसरे दौर में स्टेफानोस सित्सिपास को सीधे सेटों में हराने वाले जोकोविच इस बार अपनी सर्वश्रेष्ठ लय में नजर नहीं आए। फ्रांस के आर्थर रिंदरकनेच ने पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए तीसरा सेट 6-1 से अपने नाम किया। चौथे सेट में भी दोनों खिलाड़ियों के बीच लंबी और रोमांचक रैलियां देखने को मिलीं। रिंदरकनेच ने कई शानदार सर्विस और वॉली से दर्शकों को प्रभावित किया, लेकिन टाई-ब्रेक में जोकोविच के अनुभव ने बाजी पलट दी।

अब चौथे दौर में रोमन सफियुलिन से मुकाबला

अब जोकोविच का सामना चौथे दौर में क्वालिफायर रोमन सफियुलिन से होगा। सफियुलिन ने तीसरे दौर में ब्राजील के जोआओ फोन्सेका को 6-3, 6-3, 6-3 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई। चोटों से जूझने वाले सफियुलिन ने इस साल विंबलडन से पहले टूर स्तर पर एक भी मैच नहीं जीता था।

विंबलडन में सबसे ज्यादा एकल मैच जीत

मार्टिना नवरातिलोवा	120 जीत
रोजर फेडरर	105 जीत
नोवाक जोकोविच	105 जीत

अपने करियर के बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं अल्लू अर्जुन

अल्लू अर्जुन अपने करियर के अगले पड़ाव के लिए तैयार हो रहे हैं। पिछले दो वर्षों से अपनी फिल्मों की कामयाबी और ऑफ-स्क्रीन विवादों की वजह से चर्चा में रहे यह एक्टर अब अपने करियर के दो सबसे बड़े प्रोजेक्ट्स - 'राका' और 'एए23' के लिए तैयारी कर रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन अभी 'राका' के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी करने पर ध्यान दे रहे हैं। इस फिल्म का प्रोडक्शन 2026 के आखिर तक चलने की उम्मीद है। खबर है कि एक्टर सितंबर 2026 तक अपना शेड्यूल पूरा करना चाहते हैं। इसके बाद वह अपना ध्यान फिल्म 'एए23' पर देना चाहते हैं। इसकी शूटिंग दिसंबर में शुरू होने की संभावना है।

बड़े प्रोडक्शन की होगी जरूरत

कहा जा रहा है कि फिल्म 'राका' बड़े पैमाने पर बनाई जा रही है। इसमें बहुत ज्यादा विजुअल इफेक्ट्स और बड़े प्रोडक्शन की जरूरत होगी। बताया यह भी जा रहा है कि फिल्मिंग पूरी होने के बाद भी वीएफएक्स के ज्यादा इस्तेमाल की वजह से फिल्म को लंबे पोस्ट-प्रोडक्शन प्रोसेस से गुजरना होगा। खबर है कि मेकर्स इसे 2028 के बीच में रिलीज करने की सोच रहे हैं, जिससे उन्हें तकनीकी पहलुओं को बेहतर बनाने और विजुअल को अच्छा करने के लिए काफी समय मिल जाए।

'एए23' को लेकर बढ़ी उत्सुकता

अल्लू अर्जुन 'एए23' पर काम करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इस फिल्म के ऐलान के बाद से ही लोगों में इसे लेकर काफी उत्सुकता है और इसे एटली डायरेक्ट कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म को ग्लोबल लेवल पर एक कमर्शियल एंटरटेनर के तौर पर प्लान किया जा रहा है, जिसमें भारत के सबसे बड़े स्टार्स में से एक और सबसे सफल मास फिल्ममेकर्स में से एक साथ आ रहे हैं।

मुश्किल दौर ने बदली जिंदगी, फिल्मों में काम रुका तो फैशन बिजनेस में रखा कदम

अभिनेत्री और वीडियो जॉकी (वीजे) रिया चक्रवर्ती एक ऐसा नाम है, जिन्होंने कड़ी मेहनत और हुनर के दम पर सोशल मीडिया, टेलीविजन और फिल्म इंडस्ट्री में एक पहचान बनाई है। रिया चक्रवर्ती का जन्म 1 जुलाई 1992 को एक बंगाली परिवार में हुआ था। रिया के पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती आर्मी में रहे हैं। उन्होंने अपनी शुरुआती पढ़ाई अंबाला कैंट के आर्मी पब्लिक स्कूल से की। रिया ने करियर की शुरुआत 2009 में एमटीवी पर आए रियलिटी शो 'टीवीएस स्कूटी टीन दिवा' से की। इसमें वह पहली रनर-अप रहीं। इसके बाद वह 'पेप्सी एनटीवी वासुप', 'टिकटैक कॉलेज बीट', 'एमटीवी गॉन इन 60 सेकेंड्स' और 'एमटीवी रोडीज - कर्म या कांड' जैसे लोकप्रिय रियलिटी शो में बतौर होस्ट के रूप में नजर आई।

रिया ने अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत 2012 में तेलुगु फिल्म 'तुनीगा तुनीगा' से की। इसके बाद उन्होंने 2013 में 'मेरे डैड की मारुति' से बॉलीवुड में डेब्यू किया। अभिनेत्री ने इसके बाद कई फिल्मों में अपनी एक्टिंग और खूबसूरती का जलवा बिखेरा, जिसमें 'सोनाली केबल', 'जलेबी', 'बैंक चोर' और 'चेहरे' जैसी फिल्में शामिल हैं। इन फिल्मों ने लोगों के बीच पहचान दिलाई। हालांकि, 2020 में अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के असामयिक निधन के बाद, रिया के जीवन में एक ऐसा मोड़ आया, जिसने उन्हें मीडिया और कानूनी जांच के केंद्र में ला दिया। दरअसल, रिया उस समय सुशांत को डेट कर रही थी, लेकिन सुशांत की संदिग्ध मौत से वह कई सवालों के घेरे में आ गई।

इस मामले में ड्रग्स से जुड़े आरोपों के कारण उन्हें अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ जेल में लगभग 28 दिन बिताना पड़ा था, लेकिन लगभग 5 वर्षों के मुश्किल समय के बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने रिया को सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में मार्च 2025 में क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर क्लीन चिट दे दी। जानकारी के मुताबिक, 2020 के मुश्किल दौर के बाद अभिनेत्री को फिल्म इंडस्ट्री में काम मिलना बंद हो गया था। उस समय उन्होंने 2023 में अपने भाई शोविक चक्रवर्ती के साथ मिलकर एक स्ट्रीटवियर फैशन ब्रांड शुरू किया, जिसका नाम उन्होंने 'चैप्टर 2 ड्रिप' रखा। यह ब्रांड ओवरसाइज्ड टी-शर्ट, हुडी और अन्य यूनीसेक्स कपड़ों के लिए जाना जाता है, जिसकी वैल्यूएशन बहुत ही कम समय में करोड़ों में हो गई है।

'लॉक अप 2' में 'जनता की आवाज' बनकर आएंगी कंगना

अभिनेत्री कंगना रनौत इस हफ्ते के आखिर में नेटफ्लिक्स के रियलिटी शो 'लॉक अप: सच या सजा' में एक खास मेहमान के रूप में दिखाई देंगी। इस बार वह शो में 'जनता की आवाज' बनकर एंट्री लेंगी।

खबर के अनुसार, शो से पहले कंटेस्टेंट के एलिमिनेशन के दौरान कंगना मुख्य होस्ट फराह खान और रितेश देशमुख के साथ जूरी का हिस्सा बनेंगी। कंगना ने कहा कि यह शो सच को स्वीकार करने के बारे में है और यहां हर फैसले की एक कीमत चुकानी पड़ती है। इस शो के पिछले सीजन को खुद कंगना ने ही होस्ट किया था, इसलिए उनकी वापसी से फैंस काफी उत्साहित हैं। इस नए सीजन में धीरज धूपर, हर्षद चोपड़ा और शिवांगी जोशी समेत 15 कंटेस्टेंट्स शामिल हैं।

फिल्म 'क्वीन 2' की शूटिंग हुई पूरी

टीवी शो के अलावा कंगना अपनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'क्वीन' के सीक्वल यानी 'क्वीन 2' को लेकर भी चर्चा में हैं। कंगना ने सोशल मीडिया पर बताया कि इस फिल्म की मुख्य शूटिंग अब पूरी हो चुकी है। उन्होंने पूरी टीम के साथ इसका जश्न भी मनाया। हाल ही में कंगना रनौत फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' में नजर आई थीं, जो 12 जून 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

अहमद खान ने बताया क्यों 'वेलकम टू द जंगल' से बाहर हुए संजय दत्त?

अहमद खान द्वारा निर्देशित फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' इन दिनों सिनेमाघरों में बनी हुई है। फिल्म को दर्शकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिल रही है और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार प्रदर्शन कर रही है। हालांकि, फिल्म के प्रोमो में दिखाए गए लगभग पांच एक्टर फिल्म से गायब दिखे। जिसके बाद दर्शकों के मन में उन कलाकारों के रोल्स को लेकर सवाल जरूर हैं। अहमद खान ने फिल्म से संजय दत्त के गायब होने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि संजय दत्त ने 'वेलकम टू द जंगल' इसलिए छोड़ी क्योंकि उन्हें शूटिंग की तारीखों में दिक्कत थी और उन्हें इलाज के लिए अमेरिका जाना था। उन्होंने एक्टर और फिल्म की टीम के बीच किसी भी तरह के तनाव की बात को खारिज कर दिया। निर्देशक ने कहा कि संजू बाबा को स्क्रिप्ट बहुत पसंद आई थी और वह सच में फिल्म का हिस्सा बनना चाहते थे। फिल्म में उनके कई दोस्त थे जैसे जग्गू दादा (जैकी श्रॉफ), अक्षय कुमार वगैरह। वह बहुत उत्साहित थे। हमने उनके साथ फिल्म का

कुछ हिस्सा शूट भी किया था। लेकिन उन्हें तारीखों की दिक्कत थी। उन्हें अमेरिका जाना था। वह इलाज के लिए वहां गए थे और मैं इतने सारे एक्टर्स की तारीखें नहीं बदल सकता था।

'राका' में अहम भूमिका निभाएंगी रश्मिका मंदाना

'पुष्पा' में रश्मिका मंदाना और अल्लू अर्जुन की जबरदस्त केमिस्ट्री को दर्शकों ने खूब पसंद किया था, और अब खबर है कि ये जोड़ी फिल्म 'राका' में फिर साथ नजर आएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रश्मिका मंदाना इस फिल्म में एक अहम भूमिका निभाएंगी। फिल्म की शूटिंग का पहला शेड्यूल जल्द ही मुंबई में शुरू होने वाला है और रश्मिका भी जल्द इस शेड्यूल को जॉइन करेंगी। डायरेक्टर एटली की इस फिल्म को लेकर पहले से ही काफी चर्चा है, और रश्मिका की एंट्री से फैंस का एक्साइटमेंट और बढ़ गया है। दर्शक इस प्रोजेक्ट से जुड़ी हर नई अपडेट का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

क्या शाहरुख का होगा कैमियो?

खबरों की मानें तो इस फिल्म में रश्मिका के अलावा मृणाल ठाकुर और जाह्नवी कपूर भी अहम किरदारों में नजर आ सकती हैं। वहीं, यह भी चर्चा है कि शाहरुख खान फिल्म में कैमियो कर सकते हैं, हालांकि अभी तक मेकर्स की तरफ से इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में

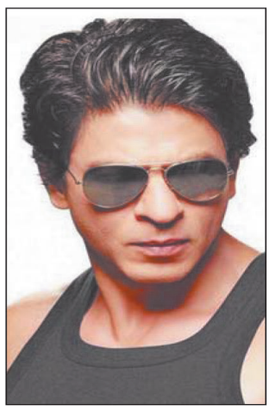

ऐसी भी खबर आई थी कि फिल्म का टीजर एक वर्चुअल इवेंट में लॉन्च किया जा सकता है, जिसमें एटली, अल्लू अर्जुन और दीपिका पादुकोण शामिल हो सकते हैं।

'राका' का पहला पोस्टर आया सामने

अल्लू अर्जुन के 44वें जन्मदिन के मौके पर मेकर्स ने 'राका' का पहला पोस्टर रिलीज किया था। इस पोस्टर में अल्लू अर्जुन का चेहरा फर के पीछे आंशिक रूप से छिपा हुआ नजर आता है, जिसमें उनके लुक को काफी वाइल्ड और दमदार दिखाया गया है। उनकी आंखें काफी पावरफुल और रहस्यमयी लग रही हैं। बताया जा रहा है कि 'राका' को 700 करोड़ रुपये से ज्यादा के बड़े बजट पर बनाया जा रहा है। इस फिल्म को सन पिक्चर्स प्रोड्यूस कर रही है। मुंबई में जल्द ही इसका अगला शूटिंग शेड्यूल शुरू होगा और पूरे साल इसकी शूटिंग जारी रह सकती है।

यदि कंटेंट में दम नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे

अली असगर उन सधे हुए कलाकारों में से है, जिन्होंने हर किरदार में जान डाली है। बात कॉमेडी की आई, तो उन्होंने ऐसी छाप छोड़ी है, जो ताउम्र दुनिया को हंसाते रहेगी। टीवी पर 'कॉमेडी सर्कस', 'जरा नचके दिखा', 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' जैसे शोज के जरिए वह दशकों से दर्शकों का मनोरंजन कर रहे हैं।

55 साल के अली कहते हैं कि बदलते दौर के साथ अब कॉमेडी भी बदल गई है। खास बातचीत में उन्होंने कॉमेडी के बदलते स्वरूप पर दो टूक राय दी। कहा, 'जैसे-जैसे दौर बदलता है, वैसे-वैसे कॉमेडी भी बदलती है। जब 'कॉमेडी सर्कस' शुरू हुआ तो बहुत लंबा चला। लेकिन मुझे नहीं लगता कि वही चीज आज उतना चल पाएगी, क्योंकि आखिर आप कितनी चीजें क्रिएट करोगे।'

मुंबई में पैदा हुए अली असगर मानते हैं कि समय के साथ ही ऑडियंस भी जल्दी ऊब जाती है। अब दर्शकों का अटेंशन स्पैन कम हो गया है। अब इंस्टाग्राम रील्स वगैरह के कारण 15-30 सेकंड तक या ज्यादा से ज्यादा 1 मिनट तक ही आप दर्शकों को रोक सकते हैं। इसके बाद सारा दारोमदार आपके कंटेंट पर है। यदि कंटेंट में दम नहीं है, परफॉर्मेंस अच्छी नहीं है तो आप ऑडियंस को खो देंगे। जहां तक क्लीन कॉमेडी की बात है, तो दादा-दादी से लेकर बच्चों तक, पूरा परिवार एकसाथ देख सके, वह कंटेंट तो और भी मुश्किल है।

बदलते वक्त में फिल्म इंडस्ट्री के लोगों पर भी प्रेशर बढ़ा है। कई सितारे इस बारे में अपनी बात कह भी चुके हैं। अली कहते हैं, 'प्रेशर तो हर जगह है, हर फील्ड में है। सिनेमा एक्टर्स को सबसे ज्यादा प्रेशर होता है कि शुक्रवार को क्या होगा। उनके सिर पर तो करोड़ों रुपये का दांव लगा होता है। टीवी में हम एक्टर्स का इतना कुछ दांव पर नहीं होता, क्योंकि पैसा, प्रोडक्शन किसी और का है। हम तो किरदार निभाते हैं। जो कैरेक्टर हमें मिलता है, हम उसे अच्छे से निभाने की कोशिश करते हैं। लेकिन अगर वह चीज नहीं चलती है, तो उसका दोष भी हमारे ऊपर आ जाता है। कई बार फिल्म नहीं चलती है तो डायरेक्टर को कोई दोष नहीं देता है, बल्कि लोग कहते हैं कि उस कलाकार की फिल्म नहीं चली। लेकिन सच तो यह है कि यह पूरी एक टीम है, कई डिपार्टमेंट उसमें जुड़े होते हैं।'

हर कलाकार के लिए थिएटर जरूरी

अली असगर उन कलाकारों में से हैं, जो टीवी और फिल्मों के साथ ही थिएटर के मंच पर भी लगातार परफॉर्म करते हैं। हाल ही वह दिल्ली में भी रंगमंच पर 'टॉम एंड जैरी' नाम के नाटक की प्रस्तुति करते देखे गए। जब अली असगर से पूछा गया कि टीवी के दर्शक और थिएटर के दर्शकों में क्या अंतर होता है? उन्होंने जवाब दिया, 'जिस शिद्दत से हम थिएटर में परफॉर्म करते हैं, उसी शिद्दत से हमें दर्शकों की प्रतिक्रिया भी मिलती है। यहां आपको तुरंत रिस्पॉन्स मिलता है।

जैसे ही प्ले शुरू होता है, आपको ऑडियंस के साथ तुरंत रिश्ता बनाना होता है। वह रिश्ता बनाना चुनौतीपूर्ण भी है, आकर्षित भी करता है और जरूरी भी है। वहां आपको बहुत सावधान भी रहना होता है, क्योंकि कोई कट तो होता नहीं है। इसलिए मौके को देखकर ही खुद को सुधारना होता है। मैं तो सभी कलाकारों से कहूंगा कि आप लोग भी आकर थिएटर करें। यह हमारे लिए एक मेंटल एक्सरसाइज है और चैलेंजिंग भी है।'

Printed / Published /Owned by ILEVAN H. THAKAR on behalf of ILEVAN H. THAKAR and Printed at JAY GRAPHICS AND PRINTERS, C/15, Vikram Chambers, Income Tax, Ashram Raod, Ahmedabad - 380 009. Published at 1-503, Pramukh Aura, Nr. Pramukh Nagar Bunglows, Pramukh Nagar Road, Kh-0 Road, Sargasan Char Rasta, GANDHINAGAR.(GUI) Editor: ILEVAN H. THAKAR